राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

15 अप्रैल 2023: शनिवार: वर्ष– 03: अंक – 54

बतूता का जूता
आज की कविता

इब्नबतूता अपना जूता पहनकर देश विदेश की सैर करते हुए घूम रहे हैं। क्या हुआ जब रास्ते में इब्नबतूता को तूफान मिल गया? क्या उनका करामाती जूता उन्हें बचाएगा या वह भी साथ छोड़ जाएगा? जानने के लिए सुनते हैं ये मजेदार कविता । कविता सुनने के लिए इस चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। BookBox

कहाँ गया पिचकू ?
आज की कहानी

शायना मायना पिचकू के लिए झगड़ रही हैं। पिचकू मिल नहीं रहा। दादाजी के पास वो गया नहीं । अम्मा से भी उसे बड़ी दिक्कत है। अब्बू के पास भी वह जाएगा नहीं । शब्बीर से तो वो तंग ही आ चुका है । पर पिचकू है कहाँ ? पिचकू जहां कहीं भी हो, पर पिचकू है कौन? क्या पिचकू मिला? कहाँ मिला? पूरी कहानी देखने और सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

बसरा की लाइब्रेरियन
आज की किताब

कभी आपने सोचा कि अगर एक भरी पूरी लाइब्रेरी सैनिक छावनी में तब्दील हो जाए तो क्या होगा? ऐसा ही हुआ इराक के बसरा शहर में। युद्ध छिड़ चुका था। लोग जान-माल की सुरक्षा का इंतजाम कर रहे थे पर आलिया को फिक्र थी 40,000 किताबों की । रातों रात उसने वह किया जो आज एक प्रेरक कहानी बन गई है । सचित्र कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

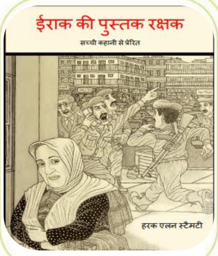

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

बोतल का फव्वारा
आज की गतिविधि

फव्वारा जमीन से फूटे या आसमान से झरे, फव्वारा मजेदार होता है। बारिश की फुहार जैसी मजेदार । हम अपना एक खिलौने वाला फव्वारा बना सकते हैं जिसे कहीं भी ले जाया जा सकता है। हमें चाहिए एक पुरानी बॉटल और रंगीन पानी, बस! फव्वारा बनाने की विधि बहुत ही आसान है। पूरी विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindgupta Toys

कैसे बना संविधान?
टीचर्स कॉर्नर

कितनी बहसें - कितनी तकरारें। कितने तर्क- कितने सवाल। आजाद मुल्क के लिए अपना संविधान बनाना कोई आसान काम न था। पर समाज विशेषज्ञों ने आम आदमी को ध्यान में रखकर एक लोकतान्त्रिक ढांचे का संविधान बनाया । 2 साल 11 महीने और 17 दिन की मेहनत से तैयार हुआ यह। देखें और सुने पूरी कहानी। चित्र पर क्लिक करें

शिक्षकों के लिए। Sansad TV

नवाचार
हमारा पुस्तकालय

सीखना सिखाना एक मानवीय प्रक्रिया है। इसमें स्वभाविक कठिनाइयाँ और चुनौतियाँ है। शिक्षक अपनी तरह से हर समय इनका समाधान निकालने की को अपेक्षित शिश करते है और सफल होते हैं ;लेकिन पाठयोजना और लक्ष्यों की उपलब्धि से बाहर जाकर इन प्रयासों या नवाचारों को रेखांकित करना हम भूल जाते हैं। सी एन सुब्रहमन्यम का यह आलेख पढिए।

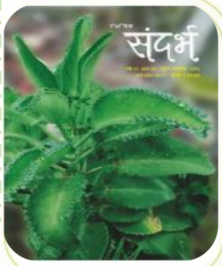

शिक्षकों के लिए। Sandarbh

#सबपढ़े
#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 155वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा ? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।